

साप्ताहिक पर्व एवं त्यौहार – के0 ए0 दुबे 'पद्मेश'
15 सितम्बर 2019 से 21 सितम्बर 2019

15 सितम्बर 2019

पितृ पक्ष प्रारंभ

देव-ऋण, ऋषि-ऋण और पितृ-ऋण—ये तीन ऋण बतलाये गए हैं। इनमें श्राद्ध के द्वारा पितृ-ऋण का उतारना आवश्यक है। क्योंकि जिन माता-पिता ने हमारी आयु, आरोग्य और सुख-सौभाग्यादि की अभिवृद्धि के लिए अनेक यंत्र या प्रयास किए उनके ऋण से मुक्त न होने पर हमारा जन्म ग्रहण करना निरर्थक होता है।

प्रस्तुती सिद्धार्थ दुबे पद्मेश

16 सितम्बर 2019

पंचक

आज पंचक 28 घण्टे 22 मिनट तक है। पंचक का दोष केवल उस परिवार में होता है जहां मृत्यु होती है। उस दोष का निवारण अवश्य कर लेना चाहिए।

प्रस्तुती सिद्धार्थ दुबे पद्मेश

17 सितम्बर 2019

संकष्ट चतुर्थी

माता-पिता आदि का श्राद्ध हो तो दिन में श्राद्ध करके ब्राह्मणों को भोजन करा दे और अपने हिस्से के भोजन को सूँघकर गौ को खिला दे। रात्रि में चन्द्रोदय के बाद स्वयं भोजन करे।

प्रस्तुती सिद्धार्थ दुबे पद्मेश

18 सितम्बर 2019

शनि मार्गी

इन दिनों शनि धनु राशि पर चल रहें जहां पर 20 जनवरी 2020 तक रहेंगे। जिस कारण धनु, वृश्चिक और मकर राशि के लिए व्यवसायिक और पारिवारिक समस्याएं उत्पन्न हो रहीं हैं। शनि के मार्गी होने से राहत मिलेगी।

प्रस्तुती सिद्धार्थ दुबे पद्मेश

19 सितम्बर 2019

पंचमी श्राद्ध

आज जिनकी माता-पिता की श्राद्ध की तिथि है। उन्हें मध्यान्ह में श्राद्ध तर्पण, गोग्रस और ब्राह्मण भोजन अवश्य कराना चाहिए।

प्रस्तुती सिद्धार्थ दुबे पद्मेश

20 सितम्बर 2019

षष्ठी श्राद्ध

जल, तिल, कुश और पुष्प आदि से श्राद्ध कर्म करना चाहिए। 03, 05 या 07 ब्राह्मणों को भोजन कराने से पितृ ऋण का प्रभाव कम होता है।

प्रस्तुती सिद्धार्थ दुबे पद्मेश

21 सितम्बर 2019

सप्तमी श्राद्ध

आज जिन माता-पिता का श्राद्ध है उन्हें तर्पण अवश्य करना चाहिए। मध्याह्न काल में पुनः स्नान करके श्राद्ध कर्म करें और ब्राह्मणों को भोजन यथासामर्थ्य दान करें फिर स्वयं भोजन करें।

प्रस्तुती सिद्धार्थ दुबे पद्मेश